नव भारत
1934 से

भोपाल मास्टर प्लान का आज उठेगा पर्दा

रहवासी क्षेत्रों में कामर्शियल गतिविधियों को रोकने अब तक की कार्यवाही का ब्यौरा भी रखेगी सरकार

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 14 सितंबर. मप्र सरकार मंगलवार 15 सितंबर को इस बात का खुलासा कर सकती है कि वह भोपाल का मास्टर प्लान कब तक लागू कर सकती है.

15 सितंबर को भोपाल के सीलिंग मामले में सुप्रीम कोर्ट में महत्वपूर्ण सुनवाई होगी, जिसमें भोपाल नगर निगम द्वारा रहवासी क्षेत्रों में कामर्शियल गतिविधियों को रोकने के लिए अब तक की गई कार्यवाही का ब्यौरा भी पेश किया जाएगा. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पहले ही भोपाल का मास्टर प्लान लागू करने के लिए जरूरी कदम उठाने के निर्देश दे दिए हैं. उन्होंने कहा है कि इस विषय को सुप्रीम कोर्ट के संज्ञान में लाया जाए और कोर्ट के निर्देश के अनुसार आगे बढ़ा जाए.

▸ सुप्रीम कोर्ट में आज होगी सुनवाई

लिहाजा राज्य सरकार अब सुप्रीम कोर्ट में शपथ पत्र देकर सीलिंग मामले में रियायत देने का अनुरोध कर सकती है. यदि राज्य सरकार के आग्रह पर सुप्रीम कोर्ट ने सकारात्मक रुख दिखाया तो फिर व्यापारियों को कुछ राहत मिल सकती है.

यदि राज्य सरकार भोपाल का मास्टर प्लान लागू करने के लिए प्रारूप का प्रकाशन करती है तो भी इसे लागू करने में 6 माह से अधिक समय लग सकता है, वहीं लैंड यूज डायवर्जन पर व्यापारियों को इसके लिए कंपाउंडिंग राशि देने की नौबत आ सकती है.

इससे उन्हें चिन्हित क्षेत्रों में अपना कारोबार बरकरार रखने की अनुमति मिल सकती है. ऐसे क्षेत्र जहां सबसे अधिक व्यापार-व्यवसाय सीलिंग के कारण प्रभावित हो रहा है, ऐसे क्षेत्रों में मिक्स लैंडयूज की अनुमति मिल सकती है.

अभी आवासीय क्षेत्रों में कामर्शियल उपयोग की अनुमति नहीं

मौजूदा प्रावधानों के मुताबिक अभी आवासीय क्षेत्रों में किसी भी तरह की व्यवसायिक गतिविधियां संचालित करने की अनुमति नहीं है. यही सबसे बड़ी बाधा बनी हुई है, इसी नियम के आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने आवासीय क्षेत्रों में व्यावसायिक गतिविधियों को रोकने के लिए नगर-निगम को निर्देश दिए थे. राजधानी भोपाल में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद लगभग 62 हजार नोटिस जारी किए जाने थे, लेकिन नगर निगम बमुश्किल 8 हजार नोटिस ही दे पाया. व्यापारियों के तीखे विरोध के चलते सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों पर अमल करने में निगम को पसीने छूट गए.

21 वर्ष पहले खत्म हो चुकी है भोपाल मास्टर प्लान की अवधि

भोपाल का पिछला मास्टर प्लान वर्ष 1995 में लागू किया गया था, जिसकी अवधि दिसंबर 2005 में पूरी हो चुकी है, तब से लेकर अब तक 21 वर्ष बीत गए हैं. भोपाल का चौतरफा और बेतरतीब विकास बिना मास्टर प्लान के ही हो रहा है. अलग-अलग समय में प्लान लागू करने की कोशिश की गई, लेकिन राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी के चलते ये परवान नहीं चढ़ सका. अब जबकि सीलिंग मामले में सुप्रीम कोर्ट का चाबुक चला तो एक बार फिर भोपाल मास्टर प्लान-2047 का प्रारूप तैयार किया गया है. जिसे अंतिम रूप दे दिया गया है.

शराब दुकान बंद कराने चक्काजाम

▸ शिवपुरी में महिलाएं सड़क पर डटीं, प्रशासन परेशान

शिवपुरी, 14 सितंबर. शिवपुरी में कुछ ग्रामीण सरकारी शराब की दुकान को बंद कराने के लिए प्रदर्शन पर उतारू हो गए. पुलिस ने जब इन्हें रोका तो यह सड़क पर ही चक्का जाम कर बैठ गए. नावली गांव में कुछ ग्रामीण सरकारी शराब की दुकान बंद करने की मांग को लेकर प्रदर्शन करने के लिए निकले. पुलिस ने इन्हें रास्ते में ही रोक दिया. इस बात से नाराज ग्रामीणों ने रास्ते में चक्का जाम कर दिया.

ग्रामीणों ने यह चक्का जाम खोड़ सिरसौद मार्ग पर किया. इस वजह से 1 घंटे तक वाहनों का आवागमन प्रभावित हुआ. नावली गांव के लोग गांव से आधा किलोमीटर दूर सिरसौद थाना क्षेत्र में मौजूद सरकारी शराब की दुकान को बंद कराना चाहते हैं. इसके लिए ये प्रदर्शन कर रहे थे.

जैसे ही सूचना मिली और ग्रामीणों को नावली मोड़ पर ही रोक लिया. यह बात ग्रामीणों को पसंद नहीं आई और उन्होंने चक्का जाम कर दिया.

पुलिस की समझाइश पर नहीं माने, बंद रहा यातायात

ग्रामीणों को जब प्रदर्शन करने से रोका गया, तो वह नाराज होकर सड़क पर बैठ गए और चक्काजाम कर दिया. पुलिस में ग्रामीणों को समझाने की कोशिश की लेकिन वह शराब की दुकान बंद करने की बात पर अड़े रहे. इसके बाद चौकी प्रभारी संजय लोधी ग्रामीणों के पास पहुंचे. उन्होंने बताया कि दुकान सरकारी है और नियमों के अनुसार उसका स्थान बदलना संभव नहीं है. इसके बाद ग्रामीण वापस लौट गए.

▸ एक नजर में ◂

अवैध शराब पर पुलिस की दबिश, दो पकड़े गए

सिंगरौली. माड़ा पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए ओखरावल में एक आरोपी को पकड़ा और शराब की मात्रा में देशी-विदेशी शराब जब्त की, जबकि खम्हरिया से महुआ शराब बरामद की गई. पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम ओखरावल निवासी प्रमोद कुमार शाह किराना दुकान से चोरी-छिपे अवैध शराब की बिक्री करता है.

चितरंगी रोड पर दो बाइकों की जोरदार भिड़ंत

सिंगरौली/देवसर. चितरंगी रोड पर चीर घर के समीप सोमवार शाम दो बाइकों की भिड़ंत से अफरा-तफरी मच गई. हादसे में एक युवक और दूसरी बाइक पर सवार महिला घायल हो गई. स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देवसर भेजा गया. जानकारी के मुताबिक गुलफान पिता सराजुद्दीन, निवासी ग्राम उमरहर, बाइक से जा रहे थे.

सेवानिवृत्ति के बाद 1.93 लाख की वसूली गलत

जबलपुर. हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह की एकलपीठ ने सेवानिवृत्ति के बाद कर्मचारी के सेवानिवृत्ति लाभ से एक लाख 93 हजार 752 रुपये की वसूली को कानून गलत ठहराते हुए संबंधित आदेश निरस्त कर दिया. कोर्ट ने निर्देश दिया कि यदि राशि वसूल ली गई है तो उसे याचिकाकर्ता को लौटाया जाए तथा सभी देय लाभ आदेश की प्रमाणित प्रति प्राप्त होने के 90 दिन के भीतर दिए जाएं.

▸ गुस्ताखी माफ ◂

9 साल बाद भाजपा सांसद हिमाद्री सिंह का तलाक

अनूपपुर. शहडोल लोकसभा सीट से भाजपा सांसद हिमाद्री सिंह और उनके पति नरेंद्र सिंह मरावी का करीब नौ साल के वैवाहिक जीवन के बाद आपसी सहमति से विवाह विच्छेद हो गया है.

अनूपपुर जिले के राजेंद्रग्राम न्यायालय ने दोनों की सहमति के आधार पर विवाह विच्छेद की डिक्री पारित की. दोनों का विवाह 23 नवंबर 2017 को राजेंद्रग्राम में हिंदू रीति-रिवाज से हुआ था. विवाह के बाद दोनों कुछ समय तक साथ रहे. 20 जून 2019 को उनकी बेटी गिरिशा सिंह का जन्म हुआ. इसके बाद पति-पत्नी के बीच मतभेद बनने लगे. दोनों 5 मई 2021 से अलग रह रहे थे.

साथ रहने की संभावना नहीं

न्यायालय में प्रस्तुत याचिका में दोनों ने आपसी सहमति से विवाह विच्छेद की इच्छा जताई. दोनों पक्षों की ओर से एक-दूसरे पर कोई विशेष आरोप नहीं लगाया गया. न्यायालय ने सुलह की संभावना को देखते हुए दोनों को छह महीने का समय भी दिया, लेकिन इस दौरान उनके बीच समझौता नहीं हो सका.

इसके बाद दोनों ने स्पष्ट किया कि अब साथ रहकर वैवाहिक जीवन जारी रखना संभव नहीं है. न्यायालय ने हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 13-बी के तहत आपसी सहमति के आधार पर विवाह विच्छेद की डिक्री पारित कर दी.

20 करोड़ से ज्यादा के फ्रॉड का खुलासा, 52 आरोपियों को जेल

क्राइम ब्रांच ने 8 शहरों के अलग-अलग थानों में 26 प्रकरण दर्ज किए

नव भारत न्यूज

इंदौर, 14 सितंबर. फर्जी सिमकार्ड और म्यूल बैंक खातों के जरिए देशभर में हुए साइबर फ्रॉड की जांच में इंदौर पुलिस ने बड़ा नेटवर्क पकड़ा है.

ऑपरेशन मैट्रिक्स और फॉस्ट के तहत पुलिस ने अब तक 36 प्रकरण दर्ज कर 52 आरोपियों को जेल भेज दिया है. जांच में इन खातों और सिमकार्ड के जरिए 20 करोड़ रुपए से ज्यादा की ठगी की रकम का लेनदेन सामने आया है.

एनसीआरपी पोर्टल पर दर्ज साइबर फ्रॉड की शिकायतों में इस्तेमाल हुए खातों और सिमकार्ड की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने संबंधित लोगों को पड़ताल शुरू की थी. क्राइम ब्रांच ने 8 मामले दर्ज किए, जबकि अलग-अलग थानों में 26 प्रकरण दर्ज हुए. कुछ अन्य म्यूल खातों और फर्जी सिमकार्ड से जुड़े मामलों की जांच अभी चल रही है. जांच में सामने आया कि साइबर ठग टेलीग्राम और ऐप के जरिए ऐसे बैंक खाते और सिमकार्ड जुटाते हैं. ठगी की रकम म्यूल खातों में आने के बाद उसे क्रिप्टोकरेंसी के जरिए विदेश भेजा जाता है.

अन्य मामलों की जांच: एडीसीपी

एडीसीपी क्राइम राजेश दंडोतिया ने नव भारत को बताया कि म्यूल खातों और फर्जी सिमकार्ड के जरिए हुए 20 करोड़ रुपए से अधिक के फ्रॉड के मामलों में अब तक 52 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है. अन्य मामलों की भी जांच की जा रही है.

एनजीओ से काली कमाई की सफेद

13.44 करोड़ की संपत्तियां अटैच

इंदौर की जमीन समेत फ्लैट, प्लॉट, एफडी और बैंक खाते कार्रवाई के दायरे में

विशेष प्रतिनिधि

भोपाल, 14 सितंबर. प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में कार्रवाई करते हुए मध्यप्रदेश समेत मुंबई और गोवा में करीब 13.44 करोड़ रुपए की 13 संपत्तियां अटैच की हैं. इनमें जमीन, फ्लैट, प्लॉट, फिक्स्ड डिपॉजिट और बैंक खातों में जमा राशि शामिल है.

ईडी के मुताबिक इन संपत्तियों का संबंध बर्नाडेट भारत वर्मा, भारतकुमार शंकरलाल वर्मा और अन्य से है. कार्रवाई धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत ईडी की मुंबई इकाई ने की है. ईडी की जांच मुंबई पुलिस की ओर से दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू हुई थी.

जांच एजेंसी के अनुसार यूनाइटेड सर्विसेज क्लब की उप सचिव (वित्त) बर्नाडेट भारत वर्मा ने अपने पति भारतकुमार शंकरलाल वर्मा के साथ मिलकर क्लब के साथ वित्तीय धोखाधड़ी क. आरोप है कि क्लब के नियमित और वास्तविक विक्रेताओं से मिलते-जुलते नामों पर कई फर्जी बैंक खाते खोले गए और क्लब की करीब 77 करोड़ रुपए की राशि इन खातों में ट्रांसफर की गई.

ईडी के मुताबिक फर्जी खातों में पहुंची रकम का एक हिस्सा बाद में दंपती और उनके परिवार से जुड़े निजी बैंक खातों में भेजा गया. इसी रकम से इंदौर में जमीन समेत अन्य संपत्तियां खरीदे जाने का आरोप है. जांच में ईडी को पता चला कि फर्जी खातों में जमा रकम का एक बड़ा हिस्सा ज्योतिर्गमय फाउंडेशन नामक ट्रस्ट के माध्यम से दूसरी जगह भेजा गया. एजेंसी के अनुसार ट्रस्ट के बैंक खाते में करीब 11 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए गए. इसके बाद यह रकम यूनाइटेड सर्विसेज क्लब के चार्टर्ड अकाउंटेंट चंद्र प्रकाश पांडे, उनके परिवार के सदस्यों और उनसे जुड़ी फर्मों के खातों में पहुंचाई गई. ईडी का आरोप है कि इसी रकम से गोवा, इंदौर और मुंबई में जमीन व फ्लैट खरीदे गए. इसके अलावा शेल कंपनियों के जरिए करीब 20 करोड़ रुपए हवाला चैनल से विदेश भेजे जाने की भी जांच में जानकारी सामने आई है. एजेंसी ने इसी साल 20 मार्च को वर्मा परिवार से जुड़ी देशभर में 34.51 करोड़ रुपए की 35 संपत्तियां अटैच की थीं.

एक साल पुरानी पहचान का ऐसा अंत

▸ जांच में आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरण का मामला सामने आया

▸ आरोपी हिरासत में, पूछताछ के बाद भेजा जाएगा जेल

नव भारत न्यूज

इंदौर. एक साल पहले ब्यूटी पार्लर में हुई पहचान के बाद बढ़ी नजदीकियों का अंत होटल एल एक्स में ब्यूटीशियन की मौत के रूप में हुआ था. 9 सितंबर को होटल में मिलने पहुंची महिला घंटों तक युवक का इंतजार करती रही.

युवक के अनदेखा करने के बाद उसने कमरे में फांसी लगा ली थी. मामले की जांच के बाद

होटल में घंटों इंतजार के बाद ब्यूटीशियन ने लगाई थी फांसी

पुलिस ने अब आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरण का केस दर्ज कर आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है.

जांच में सामने आया कि मृतका सोनाली की करीब एक साल पहले ब्यूटी पार्लर में दीपक खंडेलवाल से मुलाकात हुई थी. सोनाली अपने पति से अलग रह रही थी. दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ने के बाद इसकी जानकारी दीपक की पत्नी को हुई. इसके बाद दोनों पक्षों के बीच विवाद खत्म करने के लिए समझौता भी हुआ था.

आत्महत्या के लिए उकसाया: टीआई

मामले में थाना प्रभारी मनीष लोधा ने नव भारत को बताया कि जांच में मिले साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरण का मामला सामने आया है. आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है. पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी.

सीएससी खुटार में लाखों की मिली एक्सपायरी दवाइयां

▸ दवाओं के ढेर ने खोली निगरानी व्यवस्था की पोल

▸ सीएमएचओ एवं बीएमओ भी सवालों के घेरे में

सिंगरौली, 14 सितंबर. खुटार सीएचसी में एक्सपायरी दवाओं का बड़ा स्टॉक मिलने के बाद जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था और उसके जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यप्रणाली को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं.

अस्पताल की छत और सीढ़ियों के आसपास बड़ी मात्रा में कार्टून, पैकेट और बोरियों में दवाएं मिली हैं. पैकेटों पर वर्ष 2024, 2025 और 2026 की एक्सपायरी तारीखें भी दिखाई दे रही हैं.

इधर स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों और स्थानीय स्तर पर यह चर्चा भी सामने आ रही है कि सीएमएचओ डॉ. पुष्पराज सिंह जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था को प्रभावी ढंग से संभाल नहीं पा रहे हैं. आरोप लगाए जा रहे हैं कि उनका ध्यान स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी से अधिक दवा खरीदी और अन्य प्रशासनिक मुद्दों पर केंद्रित है. हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है.

सीधी में दो जंगली हाथियों से दहशत

नवभारत न्यूज

सीधी, 14 सितंबर. गणेश चतुर्थी के बीच सीधी जिले में दो जंगली हाथियों के मूवमेंट बढ़ते ही वन विभाग अलर्ट मोड में आ गया है. जानकारी के अनुसार मऊगंज जिले की ओर से सीधी जिले की सीमा में तुर्रा पहाड़ में बीती रात जंगली हाथियों को देखा गया.

सरपंच की सूचना पर वन विभाग सीधी की रेस्क्यू टीम ने रात एक बजे तुर्रा पहाड़ में पहुंच कर मोर्चा संभाल लिया. सुबह होते-होते मधुगांव के जंगल में दोनों हाथी पहुंच गये और घने बांसों के बीच छिपे हुए हैं. वन मंडल सीधी के रेस्क्यू टीम प्रभारी पंकज मिश्रा के अनुसार शाम ढलने

अलर्ट मोड में विभाग

के बाद दोनों जंगली हाथी दूसरे स्थान की ओर रवाना होंगे. जंगली हाथियों के मूवमेंट की जानकारी सामने आने के बाद आसपास के ग्रामीणों में उत्सुकता के साथ सतर्कता भी बढ़ गई है. वन विभाग की ओर से स्थिति पर नजर रखी जा रही है. वन मंडल रेस्क्यू टीम लगातार दोनों जंगली हाथियों की निगरानी कर रहा है.

गांवों में लगाई पाबंदी

दोनों हाथी दिन के समय अपना डेरा एक स्थान पर जमा लेती हैं और रात के समय आगे की तरफ बढ़ती हैं. आसपास के ग्रामीणों को सतर्क रहने के लिए कहा जा रहा है. साथ ही लोगों को कच्चे मकान की बजाय पक्के मकान में रहने के लिए कहा जा रहा है. संबंधित क्षेत्रों में रात के समय बिजली की सप्लाई भी बंद की जायेगी. लोगों से तीन दिनों के लिए घर में पानी का स्टाक रखने एवं अनावश्यक घर से बाहर शाम के बाद न निकलने की अपील की जा रही है. जहां एक तरफ गणेश चतुर्थी के दिन लोग भगवान गणेश की भक्ति में डूबे हैं, वहीं दो जंगली हाथियों के गांवों की ओर बढ़ने की खबर से लोगों में चिंता बनी हुई है.

न्याय के लिए अब बिहर नदी में जलसत्याग्रह पर आंदोलनकारी

▸ गरमाया कल्पना मिश्रा मौत का मामला

▸ कथित आरोपियों पर मामला दर्ज करने की मांग

नवभारत न्यूज

रीवा, 14 सितंबर. रीवा जिले में कल्पना मिश्रा और उनके नवजात बच्चे की मौत का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है. लंबे समय से चल रहे धरने और भूख हड़ताल के बाद अब न्याय की मांग को लेकर आंदोलनकारियों ने अपना रुख और कड़ा कर लिया है.

आज प्रदर्शनकारी रीवा की बिहर नदी के ऐतिहासिक बाबा घाट पर एकत्र हुए और पानी में उतरकर 'जल सत्याग्रह' शुरू कर दिया है. आंदोलनकारियों की स्पष्ट मांग है कि कल्पना मिश्रा की मौत के लिए जिम्मेदार कथित दोषियों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज की जाए और उनकी गिरफ्तारी हो. मामले की संवेदनशीलता और पानी में उतरकर किए जा रहे प्रदर्शन को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है. कानून-व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए स्थानीय पुलिस बल मौके पर तैनात है. इसके साथ ही, प्रदर्शनकारियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एसडीआरएफ की टीम को भी बाबा घाट पर बोट और लाइफ जैकेट्स के साथ मुस्तैद किया गया है.

मौके पर पहुंचे प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस के आला अफसर प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास कर रहे हैं. प्रशासन का कहना है कि नियमों के तहत जांच की जा रही है और जल्द ही उचित कार्रवाई की जाएगी. हालांकि, आंदोलनकारी साफ तौर पर कह रहे हैं कि जब तक दोषियों पर एफआईआर दर्ज नहीं होती, उनका यह जल सत्याग्रह समाप्त नहीं होगा. इस आंदोलन के चलते बाबा घाट पर भारी भीड़ जमा है और रीवा में एक बार फिर इस मुद्दे को लेकर राजनीतिक और सामाजिक सरगर्मी बढ़ गई है.

सियासत | कांग्रेस के छात्रों की गूंज कार्यक्रम के बीच भाजपा अध्यक्ष और संघ प्रमुख के दौरे से सियासत गरम

राहुल के दौरे से पहले मोहन भागवत और नितिन नबीन रहेंगे सक्रिय

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 14 सितंबर. मौजूदा सप्ताह में एक तरफ जहां आम लोग गणेश चतुर्थी के साथ गणेशोत्सव की भक्ति में डूबे रहेंगे, वहीं दूसरी तरफ प्रदेश के राजनीतिक तापमान में उबाल आने के आसार बन रहे हैं. इस सप्ताह देश के तीन बड़े ताकतवर नेताओं का मप्र आगमन होगा.

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी छात्रों की गूंज कार्यक्रम के तहत युवाओं से संवाद करने के लिए 19 सितंबर को इंदौर आ रहे हैं, वहीं उससे

पहले राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख डॉ. मोहन भागवत और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन भी मप्र आएंगे. सबसे दिलचस्प संयोग ये कि ये तीनों मालवा क्षेत्र में ही सक्रिय रहेंगे.

आरएसएस के प्रमुख डॉ. मोहन भागवत 17 और 18 सितंबर को उज्जैन में रहेंगे. यहां वे स्वयं सेवकों से रूबरू होंगे और 18 सितंबर को युवा धर्म संसद कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे. इस कार्यक्रम के बहाने से युवाओं से संवाद करेंगे और उनके सवालों का जवाब भी देंगे. इस दौरान वे आरएसएस का नजरिया युवाओं के सामने रखेंगे. बताएंगे कि आरएसएस राष्ट्र के विकास में किस तरह रचनात्मक योगदान दे रहा है. वहीं इसी अवधि में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन भी उज्जैन में रहेंगे. वे भी 17 सितंबर को उज्जैन आ सकते हैं, जहां वे सेवा संकल्प अभियान के तहत उज्जैन के महाकाल परिसर सहित अन्य स्थानों पर 25 लाख दीयों के प्रज्वलन कार्यक्रम में सहभागी होंगे. बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उन्हें उज्जैन आगमन का न्यौता दिया था, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया है.

इस कार्यक्रम के लिए अब तक डेढ़ लाख रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं, वहीं कांग्रेस इस कार्यक्रम में हर जिले से चुनिंदा 100 युवाओं को शामिल करने की तैयारी में है. कांग्रेस ने कार्यक्रम के लिए 10 लाख रुपए की राशि प्रशासन को जमा करा दी है. इस सप्ताह ही प्रदेश में सेवा संकल्प अभियान का मेगा कार्यक्रम शुरू हो रहा है, स्वामित्व योजना में संपत्ति की रजिस्ट्री कराने का बड़ा कार्यक्रम भी शुरू हो रहा है. इस तरह सरकार और संगठन दोनों ही स्तर पर राजनीतिक तापमान बढ़ने के आसार बन गए हैं.

ये भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नबीन की पहली मप्र यात्रा होगी. नितिन नबीन स्वामित्व योजना के तहत प्रदेश के 50 लाख से अधिक परिवार को उनकी संपत्ति का मालिकाना हक दिलाने के लिए रजिस्ट्री कराने की सरकारी मुहिम के शुभारंभ कार्यक्रम में हिस्सा ले सकते हैं. वे इंदौर और मंदसौर भी जा सकते हैं. इन दोनों ही नेताओं के दौरे के एक दिन बाद ही लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी 19 सितंबर को इंदौर में रहेंगे, जहां वे छात्रों की गूंज कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे.